Roll No. …….

वार्षिक परीक्षा 2013

MAHL-12 (M.A. Hindi)(New Course)

First Year

MAHL-104

साहित्य शास्त्र एवं हिन्दी समालोचना

समय: 3 घंटा **पूर्णांक: 60**

निर्देश: यह प्रश्न पत्र 'क, 'ख' एवं 'ग' तीन खण्डों में विभक्त हैं। निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट:- किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए **15x2=30**

प्र01 काव्य प्रेरणा संबंधी भारतीय एवं पाश्चात्य मतों का परिचय प्रस्तुत कीजिए?

प्र0 2 अलंकार सम्प्रदाय के पक्ष विपक्ष में प्रस्तुत तर्कों की समीक्षा कीजिए?

प्र0 3 रीति सम्प्रदाय की सविस्तार समीक्षा कीजिए ?

प्र0 4 अरस्तु के काव्य सिद्धान्त की विस्तृत समीक्षा कीजिए ?

खण्ड - ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट:- किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए **4x5=20**

प्र0 1 काव्य लक्षण के संदर्भ में आचार्य मम्मट के परिभाषा की व्याख्या कीजिए ?

प्र0 2 बेनेदितो-क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की समीक्षा कीजिए ?

प्र0 3 आई0ए0 रिचर्ड्स के मूल्य सिद्धान्त की विवेचना कीजिए ?

प्र0 4 टी0 एस0 इलियट के निर्व्यैक्तिक्ता के सिद्धान्त की मुख्य स्थापनाओं को रेखांकित कीजिए ?

प्र0 5 मार्क्सवाद की प्रमुख अवधारणों को प्रस्तुत कीजिए ?

प्र0 6 आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकतावाद के साम्य एवं वैषम्य के बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए ?

प्र0 7 स्वच्छंदतावाद की प्रमुख मान्यताओं की समीक्षा कीजिए ?

प्र0 8 शैलीविज्ञान पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ?

खण्ड - ग

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

नोट:- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी के अंक समान है। **01x10=10**

(क) सत्य/ असत्य लिखिए।

1 'विरेचन सिद्धान्त' के प्रतिपादक अरस्तु हैं।

2 'सम्प्रेषण सिद्धान्त' के प्रतिष्ठापक टी0 एस0 इलियट हैं।

3 'स्वच्छंदतावाद' में रूढियों से मुक्ति पर बल दिया जाता है।

4 'प्रतिभा' काव्य का प्रमुख हेतु हैं।

5 रीति सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक आचार्य वामन हैं।

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:-

6 'रमणीयार्थ : प्रतिपादक : शब्द: काव्यम्' सूत्र के रचयिता ---------- हैं।
(पंडितराज जगन्नाथ,आचार्य विश्वनाथ, अभिनव गुप्त)

7 'वाक्यम् रसात्मक : काव्यम्' सूत्र ---------- का है। (विश्वनाथ, मम्मट, वामन)

8 ध्वनि सिद्धान्त के प्रतिष्ठापक ----------हैं। (आनन्दवर्द्धन, मम्मट, भरतमुनि)

9 वक्रोक्ति सिद्धान्त के प्रतिष्ठापक ----------हैं। (कुंतक, वामन, मम्मट)

10 रस सिद्धान्त के प्रतिष्ठापक ----------हैं। (भरतमुनि, वामन, कुंतक)